TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

12 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जब तक जीना, तब तक सीखना,

अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।

स्वामी विवेकानंद जी

(आध्यात्मिक गुरु)

जन्म: **12** जनवरी **1863** मृत्यु: **04** जुलाई **1902**

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

जयंती विशेष

12 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

संभव की सीमा जानने का केवल एक ही तरीका है,

असंभव के आगे निकल जाना।

- स्वामी विवेकानंद

(आध्यात्मिक गुरु)

(12 जनवरी 1863 - 04 जुलाई 1902)

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

12 जनवरी

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि, रविवार 12 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"खुद पर विश्वास करो। सारी शक्तियां तुम्हारे भीतर ही है।"

–स्वामी विवेकानंद

आज के दिन

1708– छत्रपति शाहू जी को मराठा शासक का ताज पहनाया गया।

1598– राजमाता जीजाबाई का जन्म बुलढ़ाणा शहर में हुआ।

1869 – 'भारत रत्न' सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी, समाज सेवी और शिक्षा शास्त्री भगवान दास का जन्म

1899 – भारत के प्रसिद्ध गणितज्ञ बद्रीनाथ प्रसाद का जन्म

1958 – भारतीय सिनेमा में हिंदी फिल्म और टीवी अभिनेता अरुण गोविल का जन्म

1950– स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 12 जनवरी 1950 को 'संयुक्त प्रांत' का नाम बदलकर 'उत्तर प्रदेश' रखा गया।

2009– प्रसिद्ध संगीतकार ए. आर. रहमान प्रतिष्ठित गोल्डन ग्लोब पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय बने।

1. **राष्ट्रीय युवा दिवस**– भारत सरकार ने वर्ष 1984 से स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिन, 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने के निर्णय किया। स्वामी विवेकानन्द वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरू थे। उनका जन्म 12 जनवरी, 1863 ई. को कलकत्ता में हुआ था। उनका वास्तविक नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था। उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। वे रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। वे केवल सन्त ही नहीं, बल्कि एक महान देशभक्त, वक्ता, विचारक, लेखक और मानव प्रेमी थे।
   - संदर्भ: अतीत से वर्तमान भाग 3, पृष्ठ 135, स्वामी विवेकानन्द के संदर्भ में बच्चों को बताएं।

2. **क्रांतिकारी सूर्यसेन को चटगांव में फाँसी**– 12 जनवरी, 1934 ई. को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी सूर्यसेन को चटगांव (वर्तमान बांग्लादेश) में फाँसी दी गई। उन्होंने इंडियन रिपब्लिकन आर्मी की स्थापना की और चटगांव विद्रोह का सफल नेतृत्व किया था। वे नेशनल हाईस्कूल में सीनियर ग्रेजुएट शिक्षक के रूप में कार्यरत थे और लोग प्यार से उन्हें "मास्टर दा" कहकर सम्बोधित करते थे।
   - बच्चों को क्या दिखायें? विशेष तौर पर अभिषेक बच्चन की फिल्म– 'खेलें हम जी जान से' देखें।

दिवस प्रेरणा 12

स्वामी विवेकानन्द

(भारतीय दार्शनिक व अध्यात्मवेत्ता)

भाषण देने के पूर्व घबराहट हो रही थी ...

संघर्ष

स्वामी विवेकानंद जी कुछ देसी रियासतों के राजाओं के सहयोग से अमेरिका गए। शिकागो पहुँचने के बाद उन्हें पता चला कि धर्म संसद को भी दो महीनों के लिए टाल दिया गया है तथा भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन भी बंद हो चुका है। वहाँ एक महिला के सहयोग से उन्हें धर्म संसद में भाग लेने का प्रवेश पत्र मिला जो समिति के समक्ष प्रस्तुत करना था और समिति तक पहुँचने का पता भी दिया। लेकिन शिकागो स्टेशन पर वह पता भी खो गया। धीरे–धीरे पैसे भी समाप्त हो गये थे। स्वामी जी निराश और असहाय इधर–उधर घूमने लगे। सर्द रात का समय खाली माल गाड़ी में बिताई। सुबह वह भोजन के लिए घर–घर भटकते रहे, पर वहाँ के निवासियों से अपमान और फटकार के अलावा कुछ नही मिला। एक महिला ने उन्हें पहचाना और उन्हें धर्म संसद तक पहुँचाया। भाषण देने के पूर्व वे काफी घबराहट में थे, क्योंकि इतने बड़े मंच पर कभी उन्होंने भाषण नहीं दिया था। इसलिए वे बार–बार अपनी बारी को टालते जा रहे थे।

सफलता

शिकागो के भाषण के बाद उनके बारे में लोगों की धारणा बदल गई। उनका भाषण सुनकर तथा वाक् शैली से विद्वान चकित हो उठे। वे युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत्र बन गये। उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

संपादक : शशिधर उज्ज्वल ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

12 जनवरी

मधु प्रिया

राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी

12 जनवरी को प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद का जन्मदिन या जयंतीी, राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हैं। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रमुख कारण उनका दर्शन, सिद्धांत, अलौकिक विचार और उनके आदर्श हैं, जिनका उन्होंने स्वयं पालन किया और भारत के साथ-साथ अन्य देशों में भी उन्हें स्थापित किया। उनके ये विचार और आदर्श युवाओं में नई शक्ति और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। उनके लिए प्रेरणा का एक उम्दा स्त्रोत साबित हो सकते हैं।

'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए' का संदेश देने वाले युवाओं के प्रेरणास्त्रोत, समाज सुधारक युवा युग-पुरुष 'स्वामी विवेकानंद' का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता (वर्तमान में कोलकाता) में हुआ। इनके जन्मदिन को ही राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

किसी भी देश के युवा उसका भविष्य होते हैं। उन्हीं के हाथों में देश की उन्नति की बागडोर होती है। आज के पारिदृश्य में जहां चहुं ओर भ्रष्टाचार, बुराई, अपराध का बोलबाला है जो घुन बनकर देश को अंदर ही अंदर खाए जा रहे हैं। ऐसे में देश की युवा शक्ति को जागृत करना और उन्हें देश के प्रति कर्तव्यों का बोध कराना अत्यंत आवश्यक है।स्वामी विवेकानंद की ओजस्वी वाणी भारत में तब उम्मीद की किरण लेकर आई जब भारत पराधीन था और भारत के लोग अंग्रेजों के जुल्म सह रहे थे। हर तरफ सिर्फ दुख और निराशा के बादल छाए हुए थे। उन्होंने भारत के सोए हुए समाज को जगाया और उनमें नई ऊर्जा-उमंग का प्रसार किया।

जयंती विशेष 12 जनवरी

राकेश कुमार

स्वामी विवेकानन्द *Swami Vivekananda*, जन्म: 12 जनवरी, 1863, कलकत्ता; मृत्यु: 4 जुलाई, 1902 बेलूर) एक युवा संन्यासी के रूप में भारतीय संस्कृति की सुगन्ध विदेशों में बिखेरने वाले साहित्य, दर्शन और इतिहास के प्रकाण्ड विद्वान् थे। विवेकानन्द जी का मूल नाम 'नरेंद्रनाथ दत्त' था, जो कि आगे चलकर स्वामी विवेकानन्द के नाम से विख्यात हुए।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

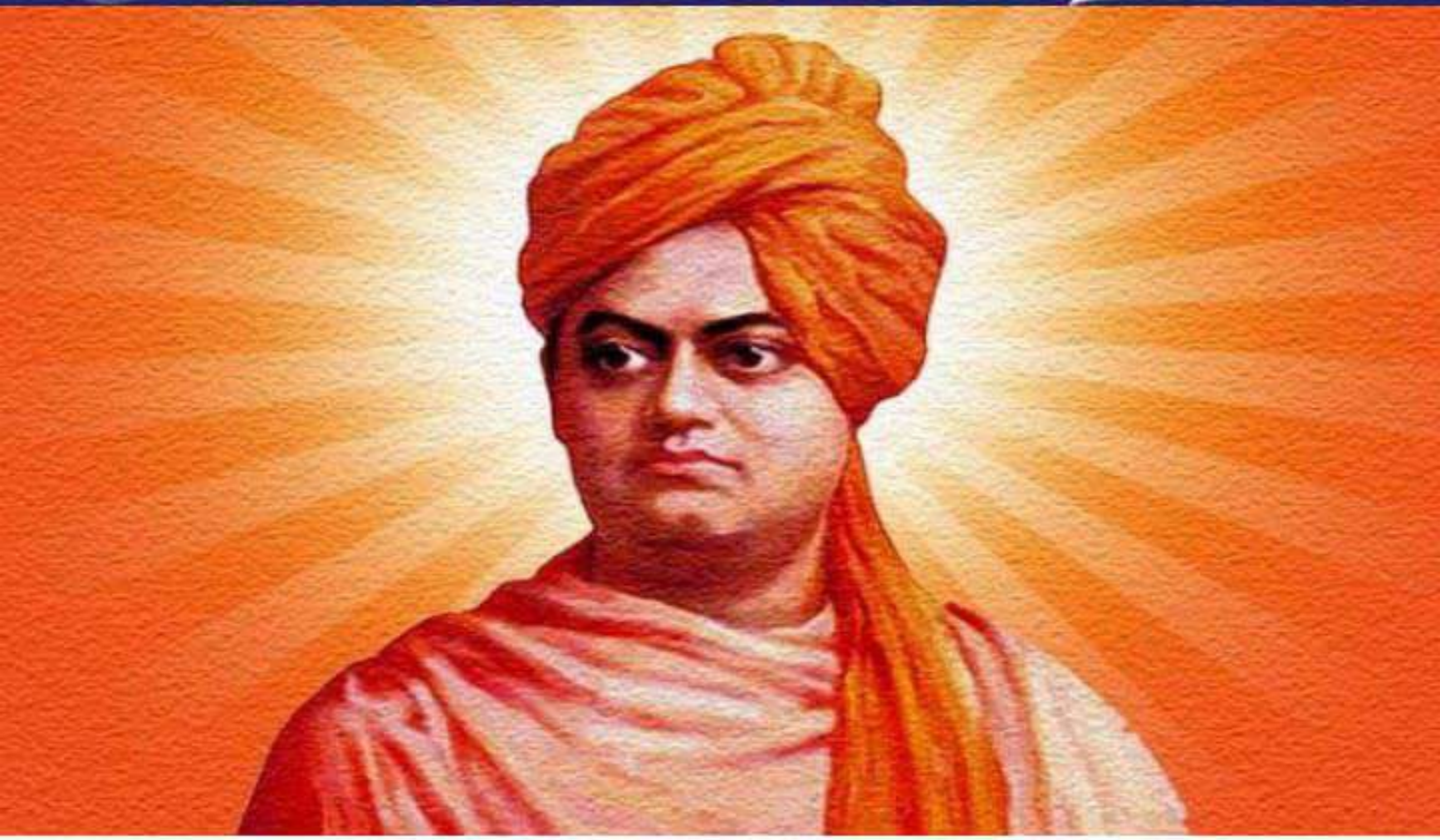

विवेकानंद हमेशा लोगो से उनके भगवान और धर्म पर विचारो को पूछते है, लेकिन किसी भी व्यक्ति का जवाब उन्हें संतुष्ट नही कर पाता। उन्हें अपने प्रश्न का जवाब रामकृष्ण से मिला। नवम्बर 1881 में पहली बार वे स्वामी रामकृष्ण से मिले थे। और यही उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट भी था। तभी से उन्होंने रामकृष्ण को अपना गुरु माना था।

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **12.01.2025**

राष्ट्रीय युवा दिवस

भारत में स्वामी विवेकानन्द की जयंती अर्थात **12** जनवरी को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्णयानुसार सन् **1984** ई. को 'अन्तरराष्ट्रीय युवा वर्ष' घोषित किया गया। इसके महत्त्व का विचार करते हुए भारत सरकार ने घोषणा की कि सन **1984** से **12** जनवरी यानी स्वामी विवेकानन्द जयंती (जयन्ती) का दिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में देशभर में सर्वत्र मनाया जाए।

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

हीलियम(Helium)

संकेत (Symbol) - He

परमाणु संख्या (Atomic number) -2

समूह (group)-18

परमाणु भार (A.weight) -4.002

आवर्त (period)-1

ब्लाक(block)-S

संयोजकता (valancy)- 0

समस्थानिक (isotope)-2

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास - $1s^2$

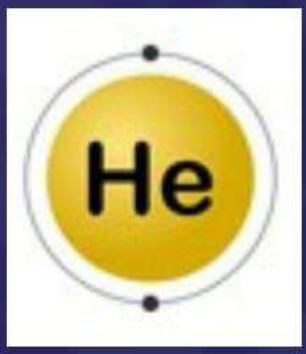

खोज

1868,नार्मल लॉकयर

भौतिक गुण

रंगहीन, गंध हीन , विषहीन अक्रिय गैस

रासायनिक गुण

यह अक्रिय गैस होती है अतः यह किसी से प्रतिक्रिया नहीं करती है।

उपयोग

परमाणु रिएक्टर में शीतलन के लिए

Anu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 496

स्वामी विवेकानंद ने कितने वर्ष की आयु में अपने परिवार को छोड़ दिया और एक साधु बन गए?

A. 11 वर्ष

B. 18 वर्ष

C. 25 वर्ष

D. 33 वर्ष

www.teachersofbihar.org

ICC टेस्ट ऑलराउंडर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	फायदा/नुकसान	टीम	रैंकिंग
1	रवींद्र जडेजा	पहले स्थान पर	भारत	400
2	मार्को यानसन	दो स्थान का फायदा	साउथ अफ्रीका	294
3	मेहदी हसन	एक स्थान का नुकसान	बांग्लादेश	284
4	पैट कमिंस	एक स्थान का नुकसान	ऑस्ट्रेलिया	282
5	शाकिब-अल हसन	पांचवें स्थान पर	बांग्लादेश	263
6	जेसन होल्डर	छठे स्थान पर	वेस्टइंडीज	259
7	जो रुट	सातवें स्थान पर	इंग्लैंड	247
8	गस एटिंकसन	आठवें स्थान पर	इंग्लैंड	240
9	बेन स्टोक्स	नौवें स्थान पर	इंग्लैंड	235
10	क्रिस वोक्स	दसवें स्थान पर	इंग्लैंड	225

Punita Kumari

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

युग प्रवर्तक, महान विचारक

और युवाओं के प्रेरणास्रोत

स्वामी विवेकानंद

की जयंती पर सादर नमन

12 जनवरी 1863 - 4 जुलाई 1902

राष्ट्रीय युवा दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

शरद यादव

जन्म 1 जुलाई 1947 - 12 जनवरी 2023

Madhu priya

/teachersofbihar

युवा दिवस

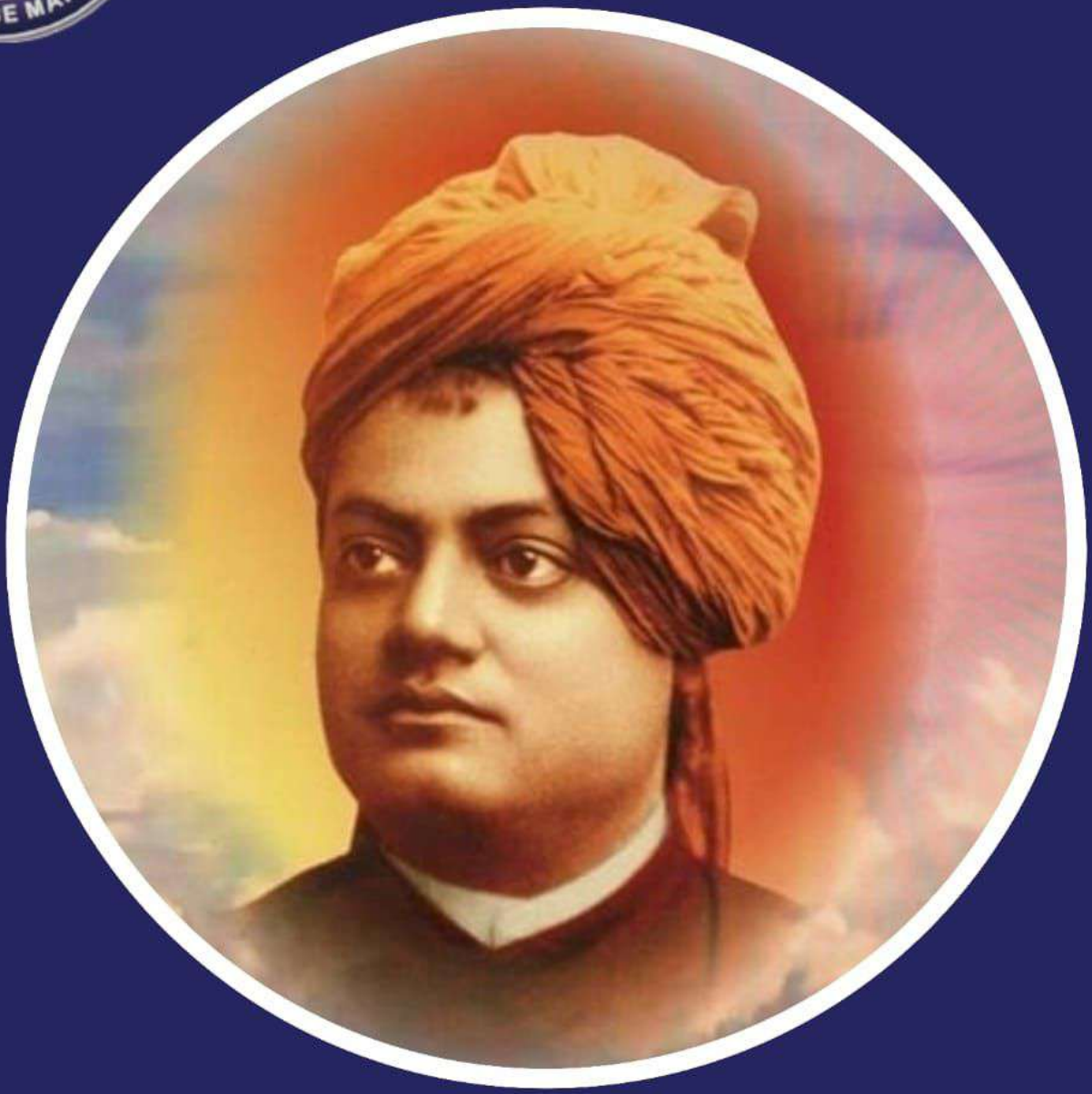

स्वामी विवेकानंद

12 जनवरी 1863-4 जुलाई 1902

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

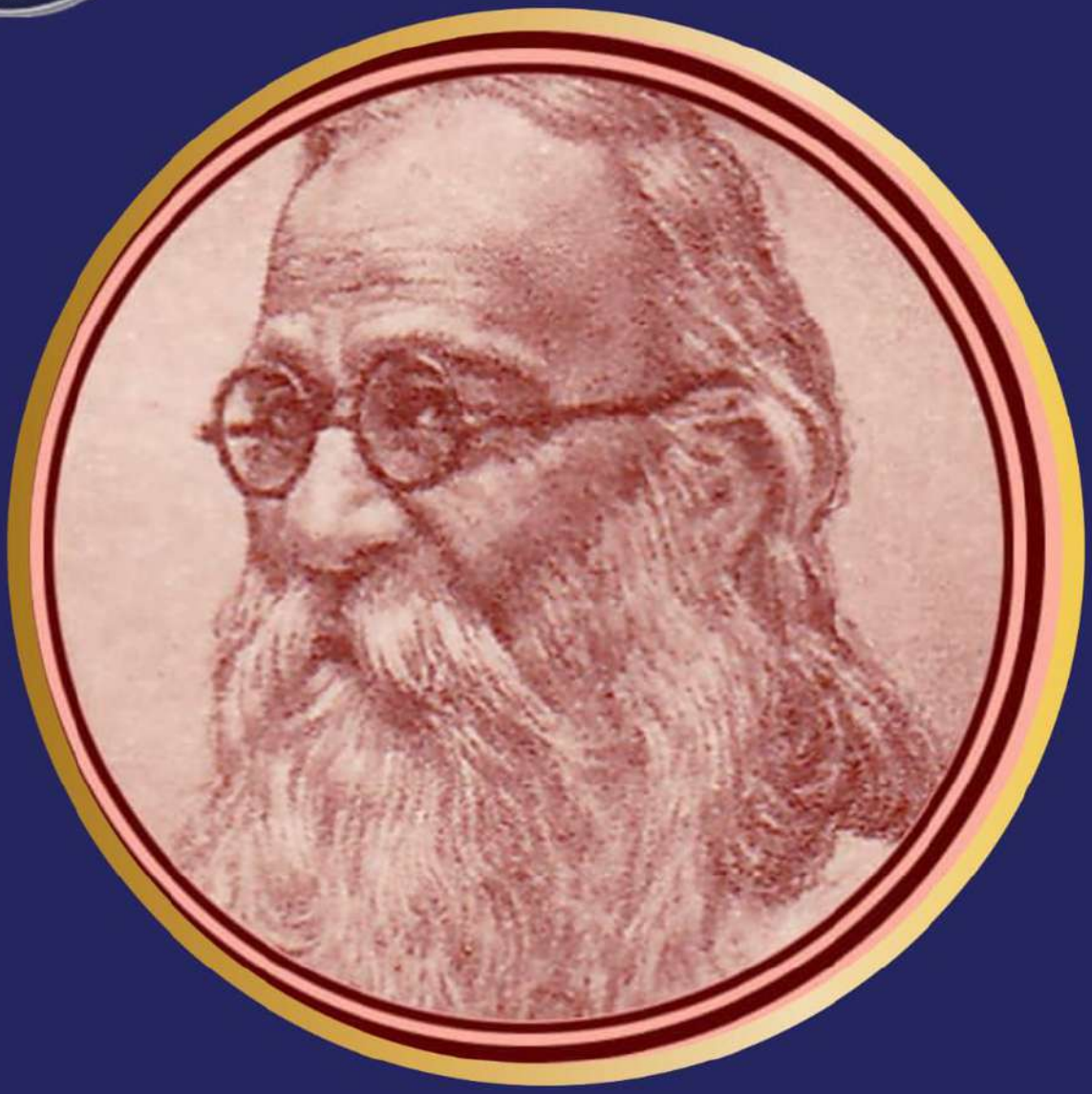

भगवान दास

12 जनवरी 1969-18 सितंबर 1958

Madhu priya